NEWS CLIPPING: 03.09.2021

THE TRIBUNE

FEE WAIVER FOR STUDENTS

Faridabad: In an effort to lend a helping hand to students who have lost their earning parents to the pandemic, JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, has decided to offer one supernumerary seat and fee waiver to them in all university-level UGC-approved courses from the academic session 2021-22. The university has invited online applications from such students by September 25, 2021. Vice-Chancellor Prof Dinesh Kumar said the ongoing corona crisis in the country for the last two years has had a profound impact on the lives of the people and caused great emotional, psychological, financial and social distress. The university, as part of its social commitments, has a responsibility of helping such students who have lost their earning parents and are facing hardship to continue their studies. The University will not charge any tuition fee for such students. To claim the admission under supernumerary quota, the director, admissions, Dr Maneesha Garg said the student would have to apply online through the university website www.jcboseust.com by September 25, 2021 with registration fee of Rs 100 only, which is Rs 1,000 for other students. To join the university initiative, the admission portal nopaperform.com has also waived the processing fee of Rs 75, she added.

The Tribune Fri, 03 September 2021 https://epaper.tribune

NEWS CLIPPING: 03.09.2021

SATYAJAY TIMES

कोरोना प्रभावित विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त सीट तथा फीस माफी का प्रावधान

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय की सार्थक पहल, प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सीट का प्रावधान

फरीदाबाद, 02 सितंबर, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। कोरोना महामारी में अभिभावकों को खो चुके विद्यार्थियों की मदद के लिए आगे आते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने शैक्षणिक सत्र 2021-22 में सार्थक पहल करते हुए ऐसे विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त सीट तथा फीस माफी का प्रावधान करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय ने अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए ऐसे विद्यार्थियों से 25 सितम्बर, 2021 तक आवेदन आमंत्रित भी किये है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि देश में पिछले दो वर्षों से चल रहे कोरोना संकट का लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा है और इससे भारी भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक, वित्तीय और सामाजिक संकट पैदा हुआ है। विश्वविद्यालय ने अपनी सामाजिक प्रतिबद्धताओं के रूप में ऐसे विद्यार्थियों की मदद करने की जिम्मेदारी ली है। परिवार में अपने कामकाजी माता या पिता को खो देने के कारण ऐसे विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई को आगे जारी रख पाना बेहद मुश्किल हो गया है। इसलिए, विश्वविद्यालय ने ऐसे विद्यार्थियों के लिए अलग से सीट का प्रावधान करने तथा ट्यूशन फीस माफ करने का निर्णय लिया है।

उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन के दौरान भी विश्वविद्यालय ने आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों को शत प्रतिशत तक ट्यूशन फीस माफ करने अथवा प्रतिपूर्ति करने की नीति लागू की थी। इस नीति का वित्तीय लाभ 153 विद्यार्थियों ने उठाया। इसके अलावा, छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए भी एक अतिरिक्त सीट की पेशकश कर रहा है। इस पहल के बारे में विस्तार से बताते हुए निदेशक दाखिला डॉ मनीषा गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय में यूजीसी द्वारा अनुमोदित सभी पाठ्यक्रमों में कोरोना से प्रभावित विद्यार्थियों के लिए एक अतिरिक्त सीट जोड़ी गई है। अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए विद्यार्थियों को 25 सितंबर, 2021 तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा, जिसके लिए पंजीकरण शुल्क केवल 100 रुपये रखा गया है, जोकि अन्य विद्यार्थियों के लिए 1000 रुपये है। विश्वविद्यालय की इस पहल से जुड़ते हुए दाखिला पोर्टल कंपनी नोपेपरफार्म डॉट कॉम ने भी ऐसे विद्यार्थियों के लिए 75 रुपये का प्रोसेसिंग शुल्क माफ कर दिया है।

डॉ. गर्ग ने कहा कि अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए केवल ऐसे विद्यार्थी ही पात्र होंगे जो दाखिले के लिए योग्यता रखते हो। उन्हें अपने कामकाजी अभिभावक की मृत्यु का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि उनकी मृत्यु कोविड महामारी से हुई है। साथ ही, विद्यार्थी को एक शपथ पत्र भी देना होगा कि कामकाजी पिता अथवा माता की मृत्यु के उपरांत उसका अन्य अभिभावक इस समय रोजगार में नहीं है। उन्होंने कहा कि यह लाभ शैक्षणिक सत्र 2021-22 में दाखिला ले रहे विद्यार्थियों को दिया जायेगा।

NEWS CLIPPING: 03.09.2021

PIONEER

कोरोना प्रभावितों के लिए अतिरिक्त सीट और फीस माफी

जेसी बोस विश्वविद्यालय की सार्थक पहल, प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सीट का प्रावधान

अतिरिक्त सीटों के लिए 25 सितम्बर तक आवेदन आमंत्रित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना महामारी में अभिभावकों को खो चुके विद्यार्थियों की मदद के लिए आगे आते हुए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने शैक्षणिक सत्र 2021-22 में सार्थक पहल करते हुए ऐसे विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त सीट और फीस माफी का प्रावधान करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय ने अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए ऐसे विद्यार्थियों से 25 सितम्बर, 2021 तक आवेदन आमंत्रित भी किये है।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि देश में पिछले दो वर्षों से चल रहे कोरोना संकट का लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा है और इससे भारी भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक, वित्तीय और सामाजिक संकट पैदा हुआ है। विश्वविद्यालय ने अपनी सामाजिक प्रतिबद्धताओं के रूप में ऐसे विद्यार्थियों की मदद करने की जिम्मेदारी ली है। परिवार में अपने कामकाजी माता या पिता को खो देने के कारण ऐसे विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई को आगे जारी रख पाना बेहद मुश्किल हो गया है। इसलिए, विश्वविद्यालय ने ऐसे विद्यार्थियों के लिए अलग से सीट का प्रावधान करने और ट्यूशन फीस माफ करने का निर्णय लिया है।

उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन के दौरान भी विश्वविद्यालय ने आर्थिक

रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों को शत प्रतिशत तक ट्यूशन फीस माफ करने अथवा प्रतिपूर्ति करने की नीति लागू की थी। इस नीति का वित्तीय लाभ 153 विद्यार्थियों ने उठाया। इसके अलावा, छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए भी एक अतिरिक्त सीट की पेशकश कर रहा है।

निदेशक दाखिला डॉ मनीषा गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय में यूजीसी द्वारा अनुमोदित सभी पाठ्यक्रमों में कोरोना से प्रभावित विद्यार्थियों के लिए एक अतिरिक्त सीट जोड़ी गई है। अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए विद्यार्थियों को 25 सितंबर, 2021 तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा, जिसके लिए पंजीकरण शुल्क केवल 100 रुपये रखा गया है, जोकि अन्य विद्यार्थियों के लिए 1000 रुपये है। विश्वविद्यालय की इस पहल से जुड़ते हुए दाखिला पोर्टल कंपनी नोपेपरफार्म डॉट कॉम ने भी ऐसे विद्यार्थियों के लिए 75 रुपये का प्रोसेसिंग शुल्क माफ कर दिया है।

डॉ. गर्ग ने कहा कि अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए केवल ऐसे विद्यार्थी ही पात्र होंगे जो दाखिले के लिए योग्यता रखते हो। उन्हें अपने कामकाजी अभिभावक की मृत्यु का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि उनकी मृत्यु कोविड महामारी से हुई है। साथ ही, विद्यार्थी को एक शपथ पत्र भी देना होगा कि कामकाजी पिता अथवा माता की मृत्यु के उपरांत उसका अन्य अभिभावक इस समय रोजगार में नहीं है।

NEWS CLIPPING: 03.09.2021

PUNJAB KESARI

कोरोना प्रभावित विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त सीट व फीस माफी का प्रावधान

- **जेसी बोस विश्वविद्यालय की सार्थक पहल प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सीट का प्रावधान**
- **अतिरिक्त सीटों के लिए 25 सितम्बर तक आवेदन आमंत्रित**

फरीदाबाद, 2 सितम्बर (पूजा शर्मा): कोरोना महामारी में अभिभावकों को खो चुके विद्यार्थियों की मदद के लिए आगे आते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने शैक्षणिक सत्र 2021-22 में सार्थक पहल करते हुए ऐसे विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त सीट तथा फीस माफी का प्रावधान करने का निर्णय लिया है।

विश्वविद्यालय ने अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए ऐसे विद्यार्थियों से 25 सितम्बर, 2021 तक आवेदन आमंत्रित भी किये है। इस संबंध में जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि देश में पिछले दो वर्षों से चल रहे कोरोना संकट का लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा है और इससे भारी भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक, वित्तीय और सामाजिक संकट पैदा हुआ है।

विश्वविद्यालय ने अपनी सामाजिक प्रतिबद्धताओं के रूप में ऐसे विद्यार्थियों की मदद करने की जिम्मेदारी ली है। परिवार में अपने कामकाजी माता या पिता को खो देने के कारण ऐसे विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई को आगे जारी रख पाना बेहद मुश्किल हो गया है। इसलिए, विश्वविद्यालय ने ऐसे विद्यार्थियों के लिए अलग से सीट का प्रावधान करने तथा ट्यूशन फीस माफ करने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन के दौरान भी विश्वविद्यालय ने आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों को शत प्रतिशत तक ट्यूशन फीस माफ करने अथवा प्रतिपूर्ति करने की नीति लागू की थी। इस नीति का वित्तीय लाभ 153 विद्यार्थियों ने उठाया।

इसके अलावा, छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए भी एक अतिरिक्त सीट की पेशकश कर रहा है। इस पहल के बारे में विस्तार से बताते हुए निदेशक दाखिला डॉ मनीषा गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय में यूजीसी द्वारा अनुमोदित सभी पाठ्यक्रमों में कोरोना से प्रभावित विद्यार्थियों के लिए एक अतिरिक्त सीट जोड़ी गई है। अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए विद्यार्थियों को 25 सितंबर, 2021 तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा, जिसके लिए पंजीकरण शुल्क केवल 100 रुपये रखा गया है, जोकि अन्य विद्यार्थियों के लिए 1000 रुपये है।

विश्वविद्यालय की इस पहल से हुए दाखिला पोर्टल कंपनी नोपेपरफार्म डॉट कॉम ने भी ऐसे विद्यार्थियों के लिए 75 रुपये का प्रोसेसिंग शुल्क माफ कर दिया है। डॉ. गर्ग ने कहा कि अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए केवल ऐसे विद्यार्थी ही पात्र होंगे जो दाखिले के लिए योग्यता रखते हो। उन्हें अपने कामकाजी अभिभावक की मृत्यु का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि उनकी मृत्यु कोविड महामारी से हुई है। साथ ही, विद्यार्थी को एक शपथ पत्र भी देना होगा कि कामकाजी पिता अथवा माता की मृत्यु के उपरांत उसका अन्य अभिभावक इस समय रोजगार में नहीं है। उन्होंने कहा कि यह लाभ शैक्षणिक सत्र 2021-22 में दाखिला ले रहे विद्यार्थियों को दिया जाएगा।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING: 03.09.2021

HINDUSTAN

जेसी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए कोरोना में मां-पिता को खोने वाले छात्रों की मदद का फैसला लिया

कोरोना प्रभावित छात्रों को अतिरिक्त सीट और फीस माफी की सुविधा

निर्णय

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जेसी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने शैक्षणिक सत्र 2021-22 में ऐसे विद्यार्थियों की मदद के लिए अतिरिक्त सीट और फीस माफी का प्रावधान करने का निर्णय लिया है, जो कोरोना महामारी में अपने अभिभावकों को खो चुके हैं।

विश्वविद्यालय ने अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए ऐसे विद्यार्थियों से 25 सितंबर, 2021 तक आवेदन आमंत्रित किए हैं। गुरुवार को जारी बयान में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश में पिछले दो वर्षों से चल रहे कोरोना संकट का लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा है और इससे भारी भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक, वित्तीय और सामाजिक संकट पैदा हुआ है।

विश्वविद्यालय ने अपनी सामाजिक प्रतिबद्धताओं के रूप में ऐसे विद्यार्थियों की मदद करने की जिम्मेदारी ली है। परिवार में अपने कामकाजी माता या पिता को खो देने के कारण ऐसे छात्रों के लिए पढ़ाई को आगे जारी रख पाना बेहद मुश्किल हो गया है। इसलिए, विश्वविद्यालय ने ऐसे छात्रों के लिए अलग से सीट का प्रावधान करने और ट्यूशन फीस माफ करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि लॉकडाउन के दौरान भी विश्वविद्यालय ने आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों को शत प्रतिशत तक ट्यूशन फीस माफ करने अथवा प्रतिपूर्ति करने की नीति लागू की थी। इस नीति का वित्तीय लाभ 153 विद्यार्थियों ने उठाया। इसके अलावा, छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए भी एक अतिरिक्त सीट की पेशकश कर रहा है।

ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे छात्र

निदेशक दाखिला डॉ. मनीषा गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय में यूजीसी द्वारा अनुमोदित सभी पाठ्यक्रमों में कोरोना से प्रभावित विद्यार्थियों के लिए एक अतिरिक्त सीट जोड़ी गई है। अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए विद्यार्थियों को 25 सितंबर, 2021 तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा, जिसके लिए पंजीकरण शुल्क केवल 100 रुपये रखा गया है, जो अन्य विद्यार्थियों के लिए 1000 रुपये है। विश्वविद्यालय की इस पहल से जुड़ते हुए दाखिला पोर्टल कंपनी नोपेपरफार्म डॉट कॉम ने भी ऐसे विद्यार्थियों के लिए 75 रुपये का प्रोसेसिंग शुल्क माफ कर दिया है।

कामकाजी अभिभावक की मृत्यु का प्रमाणपत्र देना होगा

अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए केवल ऐसे विद्यार्थी ही पात्र होंगे, जो दाखिले के लिए योग्यता रखते हों। उन्हें अपने कामकाजी अभिभावक की मृत्यु का प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करना होगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि उनकी मृत्यु कोविड महामारी से हुई है। साथ ही, विद्यार्थी को एक शपथ पत्र भी देना होगा कि कामकाजी पिता या माता की मृत्यु के उपरांत उसका अन्य अभिभावक इस समय रोजगार में नहीं है। उन्होंने कहा कि यह लाभ शैक्षणिक सत्र 2021-22 में दाखिला ले रहे विद्यार्थियों को दिया जाएगा। डॉ. मनीषा डॉ. गर्ग, दाखिला निदेशक

NEWS CLIPPING: 03.09.2021

AMAR UJALA

कोरोना प्रभावित छात्रों की माफ होगी फीस

अमर उजाला ब्यूरो

जेसी बोस विवि की पहल, 25 सितंबर तक आवेदन आमंत्रित

फरीदाबाद। कोरोना महामारी में अभिभावकों को खो चुके विद्यार्थियों की मदद के लिए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए ने सत्र 2021-22 में ऐसे विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त सीट तथा फीस माफी का प्रावधान करने का निर्णय लिया है। ऐसे विद्यार्थियों से 25 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि देश में पिछले दो वर्षों से चल रहे कोरोना संकट का लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा है। इससे भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक, वित्तीय और सामाजिक संकट पैदा हुआ है। विश्वविद्यालय ने सामाजिक प्रतिबद्धताओं के रूप में ऐसे विद्यार्थियों की मदद करने की जिम्मेदारी ली है। परिवार में अपने कामकाजी माता या पिता को खो देने के कारण ऐसे विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई को आगे जारी रख पाना बेहद मुश्किल हो गया है। विवि ने ऐसे विद्यार्थियों के लिए अलग से सीट का प्रावधान करने तथा ट्यूशन फीस माफ करने का निर्णय लिया है।

लॉकडाउन के दौरान भी विवि ने आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों को शत प्रतिशत तक ट्यूशन फीस माफ करने अथवा प्रतिपूर्ति करने की नीति लागू की थी। इस नीति का वित्तीय लाभ 153 विद्यार्थियों ने उठाया। विश्वविद्यालय सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए भी एक अतिरिक्त सीट की पेशकश कर रहा है।

NEWS CLIPPING: 03.09.2021

NAVBHARAT TIMES

कोरोना से अनाथ हुए छात्रों के लिए बढ़ाईं सीटें, फीस की जाएगी माफ

■ **एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद:** कोरोना महामारी में अपने पैरेंट्स को खो चुके विद्यार्थियों की मदद के लिए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने अच्छी पहल की है। शैक्षणिक सत्र 2021-22 में ऐसे विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त सीट व फीस माफी का ऐलान किया गया है। विश्वविद्यालय ने अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए ऐसे विद्यार्थियों से 25 सितंबर 2021 तक आवेदन मांगे हैं। इनके लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क भी एक हजार रुपये से घटाकर मात्र 100 रुपये कर दिया है। कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि देश में पिछले दो वर्षों से चल रहे कोरोना संकट का लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा है। इससे भारी भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक, वित्तीय और सामाजिक संकट पैदा हुआ है। अपने कामकाजी माता या पिता को खो देने के कारण ऐसे विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई को आगे जारी रख पाना बेहद मुश्किल हो गया है। इसलिए, विश्वविद्यालय ने ऐसे विद्यार्थियों के लिए अलग से सीट का प्रावधान करने तथा ट्यूशन फीस माफ करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

> जेसी बोस ने 25 सितंबर तक मांगे आवेदन, रजिस्ट्रेशन शुल्क 1000 से घटाकर किया 100 रुपये

NEWS CLIPPING: 03.09.2021

DAINIK BHASKAR

जेसी बोस विश्वविद्यालय की सार्थक पहल

कोरोना प्रभावित विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त सीट और फीस माफी का किया प्रावधान

दो वर्षों से चल रहे कोरोना संकट का लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ाः कुलपति

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

कोरोना महामारी में अभिभावकों को खो चुके विद्यार्थियों की मदद के लिए आगे आते हुए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2021-22 में सार्थक पहल करते हुए ऐसे विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त सीट तथा फीस माफी का प्रावधान करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय ने अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए ऐसे विद्यार्थियों से 25 सितम्बर तक आवेदन आमंत्रित किए हैं।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि दो वर्षों से चल रहे कोरोना संकट का लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा है। इस दौरान परिवार में अपने कामकाजी माता या पिता को खो देने के कारण ऐसे विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई को आगे जारी रख पाना बेहद मुश्किल हो गया है। इसलिए विश्वविद्यालय ने ऐसे विद्यार्थियों के लिए अलग से सीट का प्रावधान करने तथा ट्यूशन फीस माफ करने का निर्णय लिया है।

लॉकडाउन के दौरान भी विश्वविद्यालय ने आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों को शत प्रतिशत ट्यूशन फीस माफ करने अथवा प्रतिपूर्ति करने की नीति लागू की थी। इस नीति का वित्तीय लाभ 153 स्टूडेंट ने उठाया। इसके अलावा छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए भी एक अतिरिक्त सीट की पेशकश कर रहा है। विश्वविद्यालय में यूजीसी द्वारा अनुमोदित सभी पाठ्यक्रमों में कोरोना से प्रभावित विद्यार्थियों के लिए एक अतिरिक्त सीट जोड़ी गई है। अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए विद्यार्थियों को 25 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके लिए पंजीकरण शुल्क केवल 100 रुपए रखा गया है।